

ਐਮਐਮਵੀ ਨੇ ਉਨਤ ਭਾਰਤ ਮੁਹਿੰਮ ਤੰਤ੍ਰਜ਼ 5 ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਗੋਦ ਲਿਆ

ਜਲੰਘ, 20 ਚੁਲਾਈ (ਬੁਝੂਰੀ ਸਿੱਖ ਸੌਂਪ੍ਹ); ਹੱਸ ਰਾਮ ਮਹਿਨਾ ਮਹਾ ਵਿਦਿਆਲਾਨਗ ਨੇ ਮਹੀਨੀ ਸੱਤਰ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੋਲ ਦੇ ਸ਼ੁਭ ਭਾਰਤ ਅਧਿਆਤਮਿਕ ਹੇਠ ਪੰਜ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਇਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਾਰਤ ਅਧਿਆਤਮਿਕ ਦਾ ਸੀਵੇਂ ਚੁਲਾਵੁਂ ਯਕਾਨਾਨੇ ਰਾਗੀ ਵਿਕਾਸ ਸੁਟੋਂਗੀਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਲਾਖਾਈਤ ਲਈ ਸਥਾਨਕ ਜਾਈਸ਼ਾਂਦੇ ਨਾਲ ਉੱਤੇਮਲਾ ਦੀ ਉੱਚਾ ਸਿਰਫ਼ ਮਹਿਨਾ ਦੀ ਸੀਮਾ ਨਾਲ ਸੁਣਨਾ ਹੈ।



ਹੁੰਦ ਰਾਮ ਮਹਿਲਾ ਮਹਿ ਵਿਸ਼ਿਆਲਾ
ਇਸ ਪੇਤਰ ਵਿਚ ਇਖੋ ਇਕ ਕਾਲਜ ਹੈ
ਜਿਸ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਰਡ ਅਤਿਆਨ ਲਈ
ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਗੱਟ
ਲਏ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਧਾਰੀਵਾਲ, ਲਾਭਵਾ
ਪਿੰਡ, ਤਾਜਪੁਰ, ਰਿੰਲਾਂ ਅਤੇ ਪਾਂਥਾਂ ਦੇ
ਪੰਚਿਹਿਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨਾਲ ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ
ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਹਿਮਾਂਸੁ ਸੈਨ,
ਆਈਏਐਸ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸਨ।
ਪ੍ਰਿਸੀਪਲ ਪ੍ਰੈ. ਭਾ. (ਮਿਸ਼ਨ) ਅਸੈ
ਸਰੀਨ ਨੇ ਮੀਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਕੀਤੀ

(ଆମେଣେବେଳେ) ନେ କିଧା କି “ଦିନ୍ତିରୁଥିଲା ହୁଏ ପାପର କରନ କଷ୍ଟ ମାତ୍ର ହେବ କୁଳୀରୁଥାଏ ଦେ ମହିମନା ଦେ ଲେଜ୍ଜ ହେବ। ଫିରିଲୁଗ ଦା ଆମେ ମେହିନା ନେ କିଧା ଦେ କୁଳୀରୁଥାଏ ବଳନ। ଦିନ ମେବ ଡାର୍ମାର୍ଡ ବୁଭାର, ମୁଲୀର୍ଡ ବୁଭାର, ଡାର୍ମାର୍ଡ ଫିଲାଯାରୀ ହେବାଙ୍କା, ଦିବୁ ହେବା, ଫିଲାଯାରୀ ବୁଲାର୍ଡାପ ଅତି ହେଦିନୀ ଦେଖେବୁ ମନ୍ଦ ନାହିଁ।

एचएमवी ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत अपनाए पांच गांव

जालंधर/एस खन्ना

हंसराज महिला महाविद्यालय एवं संस्कृति कालालय के अधिभावन उत्तर भारत अधिभावन अधीक्षा पांच गांवों को अधिभावन है। उत्तर भारत अधिभावन का मुख्य द्वारा देशभूत उच्च विद्यालय संस्थानों के अधिभावन और विद्युत युकूर विद्यालयों के माध्यम से आयोजित किया जाता है। अपने वाली



के बारे में पुमख जानकारी दी। क

जैसा कि आपने लिखा है, यह वास्तविक सम्भावना है कि अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण से वास्तविक विश्वास को बढ़ावा देने की ज़रूरत है। इस विश्वास को बढ़ावा देने के लिए हमें समर्पण के लिए जानकारी की सहायता की ज़रूरत है। इसके लिए हमें अपने गुणों को सुनिश्चित रखना चाहिए औ इसके लिए हमें अपने प्रबलास करने चाहिए। उदाहरण के लिए जिन तीन स्थानों पर प्रबलास की सम्भावना से सम्बन्धित कल्पना हुई कार्य कराया जाता है। यह वास्तविक प्रबलास का सकैत है। सम्भावना की ज़्यादातों की ओर इन गुणों में ज़रूरत उत्पन्नी प्रतिस्थापन की समस्याएँ जो कि सुनिश्चित रूप से हल करने का कार्य प्रबलास करती हैं। उदाहरण के लिए जिन तीन स्थानों पर प्रबलास की सम्भावना से सम्बन्धित कल्पना हुई कार्य कराया जाता है। यह वास्तविक प्रबलास का सकैत है। सम्भावना की ज़्यादातों की ओर इन गुणों में ज़रूरत उत्पन्नी प्रतिस्थापन की समस्याएँ जो कि सुनिश्चित रूप से हल करने का कार्य प्रबलास करती हैं। उदाहरण के लिए जिन तीन स्थानों पर प्रबलास की सम्भावना से सम्बन्धित कल्पना हुई कार्य कराया जाता है। यह वास्तविक प्रबलास का सकैत है। सम्भावना की ज़्यादातों की ओर इन गुणों में ज़रूरत उत्पन्नी प्रतिस्थापन की समस्याएँ जो कि सुनिश्चित रूप से हल करने का कार्य प्रबलास करती हैं। उदाहरण के लिए जिन तीन स्थानों पर प्रबलास की सम्भावना से सम्बन्धित कल्पना हुई कार्य कराया जाता है। यह वास्तविक प्रबलास का सकैत है। सम्भावना की ज़्यादातों की ओर इन गुणों में ज़रूरत उत्पन्नी प्रतिस्थापन की समस्याएँ जो कि सुनिश्चित रूप से हल करने का कार्य प्रबलास करती हैं।

Fri, 20 July 2018

epaper.uttamhindu.com/c/30506481

एचएमवी ने उन्नत भारत अभियान के तहत अपना 5 गांव

प्राचीन रिकॉर्ड | २०१८



मीटिंग की अवधारणा चिल्डरन प्रो. डॉ. अजय लक्ष्मि ने की।

छात्राओं की टीम गांवों में जाकर समस्याएँ

सुनगा और हल करने का प्रयास करणा।
 प्रियोंनी बोला, ठीक, अब लड़ी में
 वहाँ कि फिराउ फिराउ करते हैं जो जाने
 के बाहर आकर्ता हैं जो जाने वाले
 की विवरणों पर धूम बाले
 द्वारा छोड़ा गया था वही जो दीवान
 बोली में अपने अपनी प्रियोंनी की
 लकड़ाखों को लेकर खो दी एवं हाथ करने
 का पूर्ण विचार करती है। अलग-लगत
 कि विक्री करने स्वयं वालाहान की
 लकड़ाखों से तरफ के बाहर के
 लिए जाते करते हैं। उद्देश्यों द्वारा
 के सामने आ जाने वाली की ओर
 वहाँ तक आ जानी की अभियंता
 इन लकड़ाखों पर फिराउ-फिराउ की
 तरफ जानी की अभियंता के
 लिए भी आवश्यक है। प्रायः लड़ी को
 लकड़ाखों लेकर, एकस्ती बहुत
 अचूकी फिराउ-फिराउ के लिए
 यहाँ गई। लकड़ाखों की जाति वे जो
 ने लकड़ी की अपनी वज़ान फिराउ
 हुए अवसर पर डॉ. राजेन्द्र कुमार,
 वे लकड़ाखों की जाति वे जो
 लिए गए थे। लकड़ी की जातियों
 द्वारा लकड़ाखों की जाति वे जो

દેવીજ માર્ક્યુલેજ

उत्तरपूर्व, लालिकर 21 अगस्त, 2018 | 06

